10-06-2020

एनएसआई ने खुशबूदार सेनेटाइजर बनाना सिखाया

कानपुर। एनएसआई ने ऑनलाइन प्रशिक्षण देकर गुणवत्ता युक्त व खुशबूदार हैंड सेनेटाइजर बनाने का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण में करीब 200 से अधिक लोग जुड़े, जिन्होंने बारीकी से सेनेटाइजर बनाना सीखा। इसमें अधिकांश सेनेटाइजर बना रही कंपनी या नई कंपनी शुरू करने वाले छोटे व्यापारी रहे। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल जरूरी है। डॉ. आशुतोष बाजपेई ने सेनेटाइजर बनाने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने से लेकर मशीनों के बारे में जानकारी दी। डॉ. सीमा परोहा ने अल्कोहल युक्त व बिना अल्कोहल वाले सेनेटाइजर के बारे में बताया। अल्कोहल प्रोटीन को विकृत करता है।

एनएसआई में हैंड सेनेटाइजर व गुणवत्ता नियंत्रण पर कार्यशाला

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट में मंगलवार को हैंड सेनेटाइजर निर्माण व गुणवत्ता नियंत्रण पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस कार्यशाला से न केवल ने नये निर्माताओं को मार्गदर्शन मिला, बल्कि वर्तमान निर्माता भी लाभान्वित हुए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौर ने सेनेटाइजर निर्माण कार्य में लगे चीनी उद्योग को समाजसेवा के साथ ही मूल्य वर्धित उत्पाद तैयार करने का मौका दिया है। प्रशिक्षण कार्यशाला में संस्थान के डॉ. आशुतोष बाजपाई, डॉ. सीमा परोहा, डॉ सुधांशु मोहन व डॉ. विष्णु प्रभाकर ने सेनेटाइजर निर्माण के विभिन्न आयामों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में दो सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। अल्कोहलिक और गैर अल्कोहल युक्त सेनेटाइजर निर्माण की जानकारी दी गई। बताया गया कि इसके निर्माण में ग्लिसराल का प्रयोग त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए किया जाता है। सुगंध हेतु अवयवों के प्रयोग में सावधानी बरतने की बात कही गई क्योंकि इससे एलर्जी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। सेनेटाइजर निर्माण की पूरी प्रक्रिया व गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न पक्षों से भी सभी को अवगत कराया गया।

सैनिटाइजर बनाकर लाभ कमाएं चीनी उद्योग

कानपुर। कोरोना काल में चीनी उद्योग सैनिटाइजर बनाकर लाभ कमा सकते हैं। सैनिटाइजर बनाने का स्टार्टअप भी युवा शुरू कर सकते हैं। मंगलवार को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में हैंड सैनिटाइजर के निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने किया। कहा कि सैनिटाइजर के निर्माण ने चीनी उद्योग को समाज सेवा के साथ-साथ मूल्यवर्धक उत्पाद विकसित करने का अवसर दिया है। सैनिटाइजर निर्माण इकाई की स्थापना के लिए लाइसेंस प्राप्त करने और आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की जानकारी डॉ. आशुतोष वाजपेयी ने दी। बताया कि सैनिटाइजर में सुगंध के लिए केमिकल इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए क्योंकि इससे एलर्जी की समस्या पैदा हो सकती है।

एनएसआई में हैंड सेनिटाइजर के निर्माण एवं गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कानपुर, 9 जून। हैंड सेनिटाइजर के निर्माण एवं गुणवत्ता नियंत्रण पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की ओर से आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्तमान में कोविंड -19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में सैनिटाइजर की उप्योगिता पर विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहाकि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से न केवल नये उद्यमी जो सेनिटाइजरों के निर्माण उद्योग को समाज सेवा के साथ-साथ मूल्यवर्धक उत्पाद विकसित करने का मौका दिया है। कार्यक्रम में डा. आशुतोष बाजपेयी ने सेनिटाइजर की निर्माण इकाई स्थापना हेतु लाइसेस प्राप्त करने एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की जानकारी दी। डा. सुरेंद्र मोहन, डा. विष्णु प्रभाकर आदि ने एल्कोहल युक्त हैंड सेनिटाइजर के गुणवत्ता नियंत्रण की जानकारी देने के स ाथ उत्पाद के स ाथ-साथ उत्पाद के निर्माण में प्रयुक्त कज्चे माल पर भी विस्तृत जानकारियां दी।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

निरस्त पत्र सं.: 0120202021
दिनांकः 09.06.2020

निरस्त करने की सूचना

उपरोक्त **निविदा सूचना सं0 0120202021 दिनांक 20.04.2020** की **निविदा स0 03** जो **दिनांक 10.06.2020** को खुलने वाली है, वह प्रशासनिक आधार पर निरस्त की जाती है।

वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर-पंचम
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

467/20 (A)

24X7 यात्री सेवा हेल्प लाइन नं. 139

तुष्टि पुष्टि सन्तुष्टि के लिए
विश्व का सर्वश्रेष्ठ
सिकंदरे आज़म
शक्तिवर्धक हर्बल कैप्सूल
मेडिकल स्टोर से खरीदें या फोन करें

NSI online training on sanitiser production

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

National Sugar Institute, Kanpur conducted an online training programme on 'Sanitiser production and quality control' on Tuesday.

In his opening remarks, NSI Director Narendra Mohan described the importance of sanitisers in the present scenario of Covid-19 and expressed his confidence that the knowledge imparted during the programme would not only help the upcoming entrepreneurs but also the existing manufacturer's in quality control related issues.

In the first session, Dr Ashutosh Bajpai, professor of sugar technology, elaborated the process of seeking licence for setting up sanitiser unit and the infrastructure required.

With the aid of videos, he described the plant and machinery required for manufacturing sanitiser and its working. He said recruitment of qualified manpower for in-house quality control was essential.

Dr Seema Paroha, a biochemistry, threw light on the various alcoholic and non-alcoholic sanitiser formulations and as why alcohol based sanitisers were being recommended during the current pandemic.

She said the anti-microbial activity of alcohol could be attributed to their ability to denature and coagulate proteins as a result of which the micro-organism's cells were lysed, and their cellular metabolism was disrupted.

During the second session, Dr. Sadhanshu Mohan, briefed the participants about method of preparation of ethyl alcohol and iso-propyl alcohol based sanitisers.

He said alcohols were considered safe for use as an antiseptic and generally had no toxic effect on the skin, although repeated use may cause dryness or mild irritation.

He also provided information on precautions to be taken during production and storage of alcohol based sanitisers as alcohol was highly inflammable.

Dr Vishnu Prabhakar Srivastava gave details of standard methods and protocols for testing of sanitisers and also the ingredients used for its manufacture.

He said it was not only essential to analyse the product but the raw material also so as to have proper quality control. He demonstrated methods for analysing alcohol, hydrogen peroxide and glycerol content. He also stressed on the need for analysing alcohol quality.